मध्य प्रदेश राज्य हेतु रबी फसलों के लिए जनवरी माह का कृषि परामर्श

फसल	सलाह
गेहूँ	• द्वितीय सिंचाई बुवाई के 40–45 दिन बाद कल्ले निकलते समय करें। • समय से बोई गई फसल में तृतीय सिंचाई बुवाई के 60–65 दिन बाद तने में गाँठे बनते समय करे। • गेहूँ में यूरिया का उपयोग सिंचाई उपरान्त ही करे। जिससे कि नत्रजन का समुचित उपयोग हो सके। यूरिया का छिडकाव (टॉप ड्रेसिंग) सुबह या रात में न करें। क्योंकि ओंस की बूँदों के सम्पर्क में यूरिया आने से पौधे की पत्तियों को जला देती है। अतः दिन के समय यूरिया का छिडकाव करे।
चना	• चने के खेत में कीट नियंत्रण हेतु 'टी' आकार की खूंटियाँ लगाये। फलीं में दाना भरते समय खूंटियाँ निकाल ले। • चने की फसल में चने की इल्ली का प्रकोप आर्थिक क्षति स्तर से अधिक होने पर इसके नियंत्रण हेतु कीटनाशी : दवा फ्लूबेन्डामाइड 39.35% एस.सी. की 100 मिली/हे. या इन्डोक्साकार्ब 15.8% ई.सी. की 333 मिली./हे. का 400–500 ली. पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।
मटर	• मटर की फसल की पत्तियों पर धब्बे दिखाई दे तो मेन्काजेब 75% डब्ल्यू. पी फफूँदनाशी का 2 ग्रा. या कार्बेन्डाजिम 12% + मेन्काजेब 63% डब्ल्यू. पी फफूँदनाशी के मिश्रण का 2 ग्रा./ली. पानी में घोल बनाकर छिडकाव करे। • मटर की फसल में चुर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्ड्यू) रोग के लक्षण जैसे पत्तियों, फलियों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई दे, तो इसके नियंत्रण के लिये फसल पर कैराथेन फफूँदनाशी का 1 मि.ली./ली. या सल्फेक्स 3 ग्रा./ली. पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करे।
मसूर	• फसल पर एन.पी.के. (19:19:19) पानी में घुलनशील उर्वरक को फूल आने से पहले और फली बनने की अवस्था पर 5 ग्रा./ली. पानी मे घोल बनाकर छिडकाव करना चाहिए जिससे कि उपज में वृद्धि हो सके। • फसल पर माहू कीट का प्रकोप दिखाई देने पर डायमिथोएट 30 ई.सी. 2 मि.ली./ली. या इमिडाक्लोप्रिड 0.2 मि.ली./ली. पानी में घोल बनाकर छिडकाव करे।
सरसों	• फसल दूसरी सिंचाई बुवाई के 60–65 दिन बाद तथा तीसरी सिंचाई बुवाई के 80–85 दिन बाद करना चाहिए। • फसल पर माहू कीट का प्रकोप दिखाई देने पर डायमिथोएट 30 ई.सी. 2 मि.ली./ली. या इमिडाक्लोप्रिड 0.2 मि.ली./ली पानी में घोल बनाकर छिडकाव करे।
गन्ना	• शीतकालीन गन्ने की फसल में गुडाई करे। • खेत में नमी की कमी होने पर सिंचाई कर सकते है।
सामान्य	• रबी फसलों में पाले गिरने की संभावना होने पर बचाव हेतु रात के समय हल्की सिंचाई करे अथवा खेत की मेडो पर धुआँ करे। • सिंचाई हेतु स्प्रिंकलर, रैन–गन, ड्रिप इत्यादि का उपयोग करे जिससे सिंचाई के जल का समुचित उपयोग हो सके। • रबी फसलों की पत्तियों पर धब्बे दिखाई दे तो मेन्काजेब 75% डब्ल्यू. पी फफूँदनाशी का 2 ग्रा. या कार्बेन्डाजिम 12% + मेन्काजेब 63% डब्ल्यू. पी फफूँदनाशी के मिश्रण का 2 ग्रा./ली. पानी में घोल बनाकर छिडकाव करे।